मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MSK–023

संस्कृत साहित्य में विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. एस. के. टी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.एस.के.-023 : संस्कृत में रसायन, धातु, चिकित्सा एवं वनस्पति विज्ञान का प्रायोगिक स्वरूप

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभाजित है। खण्डों में दिये गये निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड —क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए।* 4×15=60

1. यन्त्र एवं धातु का परिचय देते हुए उनके प्रयोजन पर प्रकाश डालिए।

2. प्रसाधन सामग्री का वर्णन करते हुए कामशास्त्र की कलाओं में वर्णित प्रसाधन सामग्री का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

3. सत्त्व निकालने के लिए प्रयोग में आने वाले कोष्ठक यंत्रों का वर्णन कीजिए।

4. धातु विज्ञान के प्रायोगिक स्वरूप का वर्णन कीजिए।

5. दोषों की उत्पत्ति को बताते हुए त्रिदोष को स्पष्ट कीजिए।

6. भ्रूण विज्ञान पर संक्षिप्त रूप से लिखिए।

7. रक्त के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए रक्त के नामकरण का वर्णन कीजिए।

8. वनस्पति विज्ञान का वर्णन विस्तारपूर्वक कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

9. प्रकाश की प्रकृति का वर्णन कीजिए तथा प्रकाश-संश्लेषण पर प्रकाश डालिए।

10. ग्राफ्टिंग के कारण तथा प्रकारों का वर्णन कीजिए।

11. औषधीय पौधों के इतिहास का वर्णन कीजिए।

12. पौधों के परासरण के सिद्धान्तों को स्पष्ट कीजिए।

13. वैदिककालीन व चरककालीन रसायन परम्परा का विस्तृत रूप से वर्णन कीजिए।

14. शारीरिक संरचना विज्ञान का वर्णन कीजिए।

15. श्वसन के अभिप्राय का वर्णन कीजिए तथा मानव श्वसन तंत्र को स्पष्ट कीजिए।

16. जन्तु विज्ञान के उपभेदों का वर्णन कीजिए।

× × × × ×